अनदेखी

शिकायतों के बावजूद नहीं हो रहा समाधान

विजयनगर की सड़कें बदहाल, 6 साल से अधूरी

जबलपुर, नवभारत। शहर में सड़कों की खराब हालत लगातार लोगों के लिए बड़ी परेशानी बनती जा रही है। खासकर विजयनगर की लगभग हर कॉलोनी की सड़कें जर्जर स्थिति में है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजाना आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।वही गड्ढों और टूटी सड़कों के कारण वाहन चालकों को भी परेशानी झेलनी पड़ती है और पैदल चलने वाले लोग भी असुरक्षित महसूस करते हैं। उल्लेखनीय है कि अहिंसा चौक स्थित अशोका हॉल स्कूल के सामने वाली सड़क की हालत पिछले 6 सालों से बेहद खराब बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सड़क लंबे समय से मरम्मत का इंतजार कर रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

माननीयों ने किया था वादा

जानकारी के अनुसार, करीब 3 साल पहले शरद जैन ने नारियल फोड़कर सड़क निर्माण का वादा किया था, जिससे लोगों में उम्मीद जगी थी कि जल्द ही समस्या का समाधान होगा। लेकिन समय बीतने के साथ यह वादा अधूरा ही रह गया और सड़क की स्थिति जस की तस बनी हुई है।स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार शिकायतें भी की गईं, लेकिन अब तक कोई असर देखने को नहीं मिला। लोगों का कहना है कि प्रशासन और नगर निगम की उदासीनता के कारण उन्हें रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खराब सड़कों का असर सिर्फ आम जनता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव व्यापार और शिक्षा पर भी पड़ रहा है। स्कूली बच्चों को रोजाना जोखिम उठाकर स्कूल जाना पड़ता है, वहीं व्यापारियों का कहना है कि खराब सड़कों के कारण ग्राहक भी कम आने लगे हैं। अगर जल्द ही इन सड़कों की मरम्मत नहीं की गई, तो यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है। जबलपुर की जनता अब प्रशासन से ठोस कार्रवाई की उम्मीद कर रही है, ताकि उन्हें राहत मिल सके और शहर की सड़कों की हालत सुधर सके।

इनका कहना है

खराब सड़क के कारण यहाँ एक्सीडेंट भी होते है और स्कूल के बच्चो को काफ़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

दिनेश रजक

मेरा यहाँ घर है और रोड न बनने के कारण मुझे आने जाने में काफ़ी दिक्कत होती।

अमित सोनी

लापरवाह अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई : महापौर

समीक्षा बैठक में जलप्लावन की चुनौतियों को लेकर मंथन

नवभारत, जबलपुर। शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं प्रदान करने और आगामी ऋतुओं की चुनौतियों से निपटने के लिए महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने स्वास्थ्य एवं जल विभाग की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस मैराथन बैठक में ग्रीष्मकाल में पेयजल आपूर्ति और वर्षाकाल में जलप्लावन रोकने के लिए कई बड़े निर्णय लिए गए।

शहर की स्वच्छता रैंकिंग सुधारने और रात्रि सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए महापौर ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा है कि मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों और स्वास्थ्य अधिकारियों को फील्ड पर भेजकर नाइट स्वीपिंग की आकस्मिक जांच कराई जाएगी। साथ ही ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। महापौर ने ये भी स्पष्ट किया कि सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अगले माह 80 नई सीएनजी कचरा गाड़ियां निगम के बेड़े में शामिल की जाएंगी। साथ ही मशीनों और सफाई मित्रों की संख्या में भी वृद्धि की जा रही है।

जल संकट से निपटने की तैयारी

भीषण गर्मी में नागरिकों को बूंद-बूंद पानी के लिए न तरसना पड़े, इसके लिए महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि पाइप लाइन विस्तार और बोरिंग के कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करें, जल टंकियों को उनकी पूर्ण क्षमता के साथ भरना और वितरण प्रणाली को और अधिक दुरुस्त करें।उन्होंने बारिश के दौरान शहर में जलप्लावन को रोकने के लिए प्रिवेंटिव मेंटेनेंस पर जोर दिया गया है, उन्होंने कहा कि ओमती और मोती नाले के विस्तार के साथ-साथ शहर के सभी छोटे-बड़े नालों की सफाई अभियान चलाकर की जाएगी। बैठक में महापौर के साथ निगमाध्यक्ष रिंकू विज, एम.आई.सी. सदस्य रजनी कैलाश साहू, अपर आयुक्त तथा सभी संबंधित विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

शहर के सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालय बने आदर्श : निगमायुक्त

नवभारत,जबलपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नगर निगम द्वारा शहर की स्वच्छता अधोसंरचना में व्यापक सुधार किया गया है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के द्वारा शहर के सभी प्रमुख सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों का जीर्णोद्धार कर उन्हें आदर्श श्रेणी में उन्नत कर दिया गया है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने इस संबंध में बताया कि स्वच्छता के उच्चतम मानकों को स्थापित करने के उद्देश्य से इन शौचालयों में आधुनिक सुविधाएं, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, निरंतर जलापूर्ति और स्वच्छता का विशेष प्रबंध किया गया है। इन केंद्रों को न केवल क्रियाशील बनाया गया है, बल्कि इन्हें सौंदर्यपरक रूप से भी सुधारा गया है ताकि नागरिकों को असुविधा न हो।

निगमायुक्त ने शहरवासियों से आह्वान किया है कि शासन द्वारा प्रदत्त इन सुविधाओं का उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोग करें। उन्होंने कहा, जबलपुर को स्वच्छता सर्वेक्षण में नंबर वन स्थान पर प्रतिष्ठित करने के लिए जनभागीदारी अनिवार्य है। नागरिक सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग करें और परिसर में गंदगी न फैलाकर शहर को स्वच्छ रखने में अपना अमूल्य योगदान दें।

क्यों सुलग रहा वर्दीधारियों में आक्रोश...! आखिर किस दिशा में जा रही देशभक्ति-जनसेवा का पाठ पढ़ाने वाली खाकी

अजहर खान

जबलपुर। खाकी वर्दी पहनने से पहले ट्रेनिंग में हर जवान को देशभक्ति और जनसेवा की शपथ दिलाई जाती है। कमजोरों का सहारा बनना और अपराधियों में भय पैदा करने का गुर सिखाया जाता है। हर सुबह की परेड और हर बैठक में अनुशासन, विनम्रता और जनता से सीधा संवाद का पाठ पढ़ाया जाता है साथ ही यह भी बताया जाता है कि खाकी सिर्फ एक वर्दी नहीं, बल्कि जनता के भरोसे का प्रतीक है, पुलिस का काम अपराध रोकना है, लेकिन अब जमीनी हकीकत आदर्शों से कोसों दूर नजर आने लगी हैं। खाकी वर्दी की बीते कुछ दिनों से जो तस्वीरें सामने आ रही है वे चिंताजनक है।रक्षक ही भक्षक की भूमिका में दिखने लगे है जिससे समाज में असुरक्षा की भावना पनपती दिख रही है।नागरिकों से लेकर सत्ताधारी नेताओं से बदसलूकी, मारपीट और सरेराह विवाद और थाने के भीतर भी अनुशासन की धज्जियाँ उड़ाई जा रही है ।ऐसे मामले लगातार तेजी से बढ़े हैं, जिसने एक बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है आखिर हमारी खाकी किस दिशा में जा रही है? यदि रक्षक ही नागरिकों को डराने लगे, तो समाज का कानून व्यवस्था से भरोसा उठ जाएगा। वर्दी का खौफ अपराधियों के मन में होना चाहिए, लेकिन आज स्थिति इसके उलट दिख रही है। जबकि पुलिस समाज का आईना होती है। यदि खाकी बेलगाम हो रही है, तो यह पूरे सिस्टम की विफलता है। समय रहते अगर दबाव और तनाव के इस चक्रव्यूह को नहीं तोड़ा गया, तो जनसेवा का नारा केवल थानों की दीवारों पर लिखी एक इबारत बनकर रह जाएगा।

सस्पेंशन, एफआईआर पर सुधार नहीं, आत्ममंथन की जरूरत

आए दिन पुलिसकर्मी मामूली बात पर आम नागरिक पर हाथ उठाते या अभद्र भाषा का प्रयोग करते नजर आ रहा है। पुलिसिया महकमें में घटनाओं पर त्वरित संज्ञान लेते हुए सस्पेंशन और एफआईआर जैसी कार्रवाई भी की जा रही है, लेकिन सुधार की जगह घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। जानकारों का मानना है कि यह केवल अनुशासनहीनता का मामला नहीं, बल्कि एक गहरे संकट का संकेत हो सकता है।पुलिस विभाग को आत्ममंथन करने की जरूरत है। खाकी को वापस

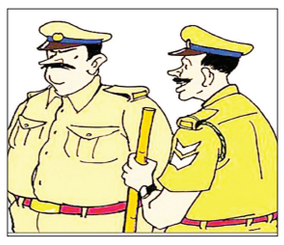

जनसेवा के मार्ग पर लाने के लिए अनुशासन के डंडे के साथ-साथ, उनके मानसिक स्वास्थ्य और कार्यप्रणाली में सुधार की मानवीय संवेदना भी जरूरी है।

मानसिक तनाव-डिप्रेशन और दबाव बना रहा चिड़चिड़ा

जानकारों की माने तो इसके पीछे अनेक वजह बताई जाती है। तर्क दिया जाता है कि पुलिसकर्मी की ड्यूटी का कोई निश्चित समय नहीं होता। 12 से 16 घंटे की लगातार ड्यूटी, न सोने का समय तय है, न परिवार के लिए वक्त। त्यौहारों पर जब हर कोई जश्न मनाती है, पुलिसकर्मी सड़क पर लाठी लेकर खड़ा होता है। यह निरंतर थकान उसे बर्नआउट की स्थिति में ले आती है, व्हीआईपी समेत अन्य कारण मानसिक संतुलन को बिगाड़ रहा है। पुलिस हर दिन समाज के सबसे नकारात्मक और हिंसक पहलुओं का सामना करती है। उचित काउंसलिंग के अभाव में यह तनाव गुस्से के रूप में जनता पर निकलता है। केस सुलझाने के दबाव के साथ राजनीतिक, रसूखदारों का हस्तक्षेप पुलिसकर्मियों को चिड़चिड़ा बना रहा है। जब वे ऊपर का गुस्सा नीचे नहीं निकाल पाते, तो आम जनता आसान निशाना बन जाती है। अपराधी को डराने के चक्कर में जवान यह भूल जाते हैं कि सामने वाला व्यक्ति अपराधी है या मदद मांगने आया नागरिक। कई बार राजनीतिक संरक्षण या विभाग के भीतर भाईचारे के कारण छोटी गलतियों को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिससे वर्दी का अहंकार और बढ़ जाता है। तर्क सच हो सकता है कि पुलिस प्रेशर में है, काम का बोझ है, नींद पूरी नहीं होती, लेकिन क्या मानसिक तनाव आपको किसी बेगुनाह को थप्पड़ मारने, अभद्रता करने लाइसेंस देता है?

अनुशासन की डोर क्यों हो रही ढीली

हाल के दिनों में ऐसी दर्जनों घटनाएं सामने आई हैं जहाँ मामूली विवाद में पुलिसकर्मियों ने आपा खो दिया। कहीं चालान को लेकर सड़क पर मारपीट हुई, तो कहीं बेवजह युवक को चौकी में बंद कर पीटा गया। सरेराह अधिवक्ता की पिटाई की गई। हालांकि, कार्रवाई के नाम पर सस्पेंशन और लाइन हाजिर, एफआईआर की खबरें भी आती हैं, लेकिन क्या यह इलाज है? सवाल यह है कि सजा मिलने के बावजूद खाकी का व्यवहार बेलगाम क्यों है? और अनुशासन की डोर क्यों ढीली हो रही है? आज खाकी उस मोड़ पर खड़ी है जहाँ जनता उसे देखकर सुरक्षित महसूस करने के बजाय असुरक्षित महसूस कर रही है और रास्ता बदल लेना बेहतर समझती है।

केस 1- 11 अप्रैल को सिविल लाइन थाना अंतर्गत समीक्षा टाउन में मामूली विवाद पर महिला थाने में पदस्थ आरक्षक साकेत तिवारी ने अधिवक्ता पंकज शर्मा के साथ मारपीट की थी। शिकायत पर कार्रवाई नहीं होने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर हुई जिसके बाद पुलिस ने आरक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की।

केस 2- 14 अप्रैल को गोरखपुर थाना अंतर्गत रामपुर चौकी में घमापुर निवासी सोनू उर्फ गौरव कुमार महोलिया को आरक्षक योगेन्द्र कुमार और तरूण मिश्रा ने बंद कर उसकी बेल्ट, डंडों से बेरहमी से पिटाई थी। घंटों बिना किसी कानूनी आधार के हिरासत में रखा गया था। मामले में दोनों को निलंबित किया गया था।

केस 3- 2 मई को बरेला थाने में पदस्थ पुलिस कर्मी पतिराम मरकाम ने सलैया पड़वार में धौस दिखाते हुए युवक अमित के साथ अभद्रता की। उसकी पिटाई की। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

केस 4- 3 मई का गोहलपुर थाने के बाहर वाहन चेकिंग के दौरान भाजपा पार्षद शरद श्रीवास्तव के साथ एएसआई रंजीत सिंह ने बदतमीजी कर उन्हें एवं उनकी बेटी को अपशब्द कहे, धमकाया। मामले में एएसआई को लाइन हाजिर किया गया।

केस 5- 4 मई को ग्वारीघाट थाने में अनुशासनहीनता की धज्जियाँ उड़ाई गई। थाने में गणना के दौरान आरक्षक अजय लोधी ने टीआई हरिकिशन आटनेरे से अभद्रता की सारी हदें पार कर दीं। आरक्षक ने अपना आपा खो दिया और टीआई का कॉलर तक पकड़ने पर उतारू हो गया था। आरक्षक को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

फ्लाईओवर से गिरा मटेरियल स्लरी

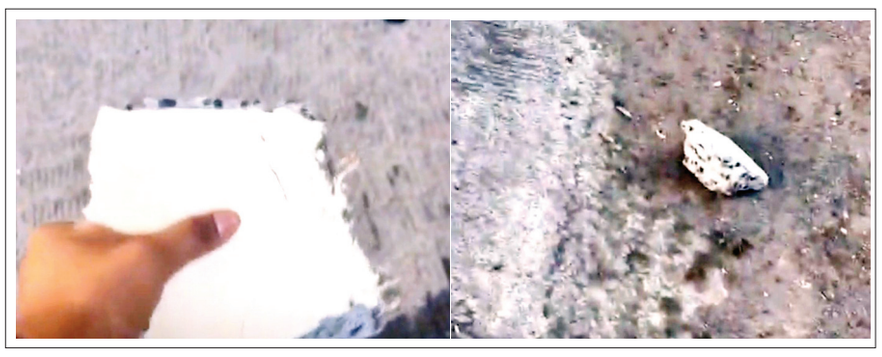

जबलपुर। दमोह नाका-महल फ्लाईओवर से मदनमहल स्टेशन के समीप कंक्रीट के टुकड़े गिरने के वायरल हुये वीडियो पर लोक निर्माण विभाग ने वास्तविक स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि फ्लाईओवर से मटेरियल गिरा था।

लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री शिवेंद्र सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो में दिख रहा मटेरियल फ्लाईओवर के मूल स्ट्रक्चर का हिस्सा नहीं है। यह बॉक्स सेगमेंट एवं डेक स्लैब के ज्वाइंट का स्लरी वाला भाग है। यह मटेरियल डी-शटरिंग के दौरान सतह पर चिपका रह जाता है। कार्यपालन यंत्री ने बताया कि न तो यह तकनीकी खामी है और न ही इससे फ्लाईओवर के मूल स्ट्रक्चर को किसी प्रकार नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि टेम्प्रेचर वेरिएशन के कारण कई बार यह चिपिंग मटेरियल सतह से निकल जाता है, जैसा कि वीडियो में प्रदर्शित हो रहा है। कार्यपालन यंत्री के मुताबिक कांट्रेक्टर को इस चिपिंग मटेरियल को निकालने के निर्देश दे दिए गये हैं और कार्य प्रारंभ भी कर दिया गया

पार्टी करने पैसे नहीं दिए तो युवक को चाकू से गोदा

जबलपुर। तिलवारा थाना अंतर्गत जंक्शन ढाबा के पास नागपुर कटनी हाईवे रोड पर तीन बदमाशों ने पार्टी करने पैसे न देने पर एक युवक को चाकू से गोद दिया। पुलिस के मुताबिक मुकेश गौड ठाकुर 26 वर्ष निवासी शांति नगर परसवाडा कॉलोनी धनवंतरी नगर संजीवनी नगर ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि वह एवं साहिल झारिया मोटर सायकिल से शादी में टेंट का काम करने बिजौरी गए थे जहॉ से वापस अपनी मोटर सायकिल से घर आते समय रात लगभग 2-30 बजे जंक्शन ढाबा के पास नागपुर कटनी हाईवे रोड पर हम दोनो रूक कर खडे हुये तभी एक मोटर सायकिल पर 3 लडके आये और बोले हमें दारू पार्टी करना है रूपये दो, उसने मना करने पर दो ने उसे पकड़ लिया और एक ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसे चोटें पहुंचा दी।

स्टेशन परिसर में दाखिल होने वाले ऑटो चालकों के विरुद्ध हुई कार्रवाई

जबलपुर, नवभारत। रेल सुरक्षा बल पोस्ट जबलपुर में पोस्ट प्रभारी राजीव खरब के द्वारा मंगलवार को ऑटो चालकों को एकत्रित कर नो पार्किंग में ऑटो नहीं खड़ा करने एवं सवारी लेने के लिए रेलवे स्टेशन पर प्रवेश नहीं करने के संबंध में जागरूकता अभियान चलाकर समझाईश दी गई तथा रेल अधिनियम के तहत की जाने वाली कार्यवाहियों से अवगत कराया गया। उपरोक्त अभियान की अनुपालन में स्टेशन एरिया में चेकिंग करने पर 08 ऑटो चालक नो पार्किंग एरिया में ऑटो खड़ा करते तथा 10 ऑटो चालक सवारी लेने के लिए स्टेशन के अंदर प्रवेश करते हुए पकड़े गए इन 18 ऑटो चालकों के विरुद्ध रेल अधिनियम की सुसंगत धाराओं में कार्यवाही करते हुए ऑटो को जप्त कर ऑटो चालकों को रेलवे मजिस्ट्रेट जबलपुर के समक्ष उपस्थित होने के लिए नोटिस दिया गया है।

कोर्ट मैरिज को लेकर कलेक्ट्रेट में हंगामा

हिंदू धर्म सेना के पदाधिकारियों ने जताया विरोध

नवभारत,जबलपुर। मंगलवार को कलेक्टर ऑफिस में काफी देर तक गहमा गहमी का माहौल रहा। दरअसल विवाह पंजीयन कार्यालय में एक प्रेमी युगल द्वारा कोर्ट मैरिज की औपचारिकता पूरी होनी थी, लेकिन उससे पहले ही हिन्दू धर्म सेना के प्रदेश अध्यक्ष नीरज राजपूत अपने साथियों के साथ कलेक्ट्रेट पहुँच गए और उन्होंने हर हाल में इस शादी को रोकने की मांग की। बताया जाता है कि लड़की और लड़का अलग अलग समुदाय के थे जिस कारण विरोध के स्वर तेज हुए। दोनों के कोर्ट मैरिज करने की खबर के बाद हिन्दू धर्म सेना के कार्यकर्ताओं ने काफी देर तक हंगामा किया, जिसके चलते मैरिज ऑफीसर ने मंगलवार को होने वाली कोर्ट मैरिज को टाल दिया। इस मौके पर हिन्दू धर्म सेना के संस्थापक योगेश अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष नीरज राजपूत मुकेश रजक, अरविंद बाबा, अविनाश सुख दान, वंश, कार्तिक, सौरभ, भारत, करण गुप्ता, कार्तिक पटेल के साथ अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छेड़खानी का विरोध करने पर ढोलक वादक की नृशंस हत्या

तिलवारा के जोधपुर पड़ाव में वारदात, छानबीन में जुटी पुलिस

जबलपुर। तिलवारा थाना अंतर्गत जोधपुर पड़ाव में पत्नी के साथ हो रही अभद्रता का विरोध करने पर एक ढोलक वादक की बदमाशों ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस, एफएसएल टीम मौका-ए-वारदात पर पहुंची और अहम साक्ष्य जुटाते हुए अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर पतासाजी शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, जोधपुर पड़ाव निवासी 47 वर्षीय दस्सीलाल बसोर पेशे से ढोलक वादक था। वे अपने बेटे मोनू बसोर के साथ विभिन्न मांगलिक कार्यक्रमों में ढोलक बजाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। कल भी पिता-पुत्र पाटन में एक शादी समारोह में गए थे। काम खत्म कर वे देर रात घर लौटे। रात्रि 11 बजे तीनों लोग खाना खा पीकर अपने घर में सो गये थे, थकान के कारण पिता-पुत्र गहरी नींद में सो गए थे। रात करीब 2:30 बजे दस्सीलाल की पत्नी लघुशंका के लिए घर से बाहर निकली थीं। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार तीन आवारा युवक वहाँ पहुँचे और महिला को अकेला देख उसके साथ छेड़खानी और अश्लील हरकतें करने लगे। उसके साथ सीधे हाथापाई करने लगे, वह चिल्लाई।

महिला के शोर मचाने पर दस्सीलाल और उनका बेटा मोनू तुरंत मदद के लिए बाहर भागे। जब दस्सीलाल ने युवकों की इस घिनौनी हरकत का विरोध किया और उन्हें वहाँ से जाने को कहा, तो आरोपी भड़क गए। एक युवक ने पास रखा धारदार चाकू निकाला और दस्सीलाल के शरीर पर कई वार कर दिए। हमला इतना भीषण था कि दस्सीलाल मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़े। वारदात के बाद आरोपी बाइक पर सवार होकर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

गंभीर हालत में परिजनों ने दस्सीलाल को मेडिकल कॉलेज पहुँचाया, लेकिन घाव गहरे होने के कारण इलाज के दौरान मंगलवार सुबह 9:30 बजे उसने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है तिलवारा थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। परिजनों, चश्मदीदों के बयान के आधार पर हुलिया तैयार किया जा रहा है और क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

अभाव

घाट चमके, व्यवस्था फेल

महिलाओं को नहीं मिल रही निजता और सुरक्षा

नवभारत, जबलपुर। ग्वारीघाट को धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के दावे प्रशासन खूब किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर यहां आने वाली महिला श्रद्धालुओं को आज भी सबसे बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। बात अगर नर्मदा नदी में स्नान के बाद कपड़े बदलने कि की जाए तो, घाट पर पर्याप्त और सुरक्षित व्यवस्था नहीं होने के कारण महिलाओं को असहज स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

चेंजिंग रूम की कमी

ग्वारीघाट पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। सुबह-शाम आरती, धार्मिक अनुष्ठान और स्नान के दौरान महिलाओं की भीड़ रहती है, लेकिन इसके बावजूद घाटों पर चेंजिंग रूम की संख्या बेहद कम है। जो कक्ष बने भी हैं, उनमें कई जगह सफाई की कमी, टूट-फूट और अव्यवस्था साफ दिखाई देती है। वही महिला श्रद्धालुओं का कहना है कि घाटों का सौंदर्यीकरण तो दिखाई देता है, लेकिन महिलाओं की जरूरतों को लेकर गंभीरता नजर नहीं आती।

मजबूरी में करना पड़ता है

कई बार महिलाएं मजबूरी में अस्थायी कपड़ों या परिजनों की आड़ लेकर वस्त्र बदलती हैं। त्योहारों और विशेष अवसरों पर यह समस्या और अधिक बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, वर्षों से घाटों के विकास की योजनाएं बनाई जा रही हैं। चेंजिंग रूम बढ़ाने, आधुनिक सुविधाएं देने और महिलाओं के लिए सुरक्षित व्यवस्था तैयार करने की बातें कई बार सामने आईं, लेकिन धरातल पर स्थिति अब भी अधूरी बनी हुई है।